अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान वर्ष : 2019 **दिनांक : 17-8-2019**

समय : 3 घंटा **तृतीय वर्ष - प्रथम-प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

बावन बोल–25

प्र. 1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) आठ कर्मों का उदय, उपशम, क्षय, क्षयोपशम निष्पन्न छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ख) पन्द्रह योग कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) तेईस पदवी कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) चौदह गुणस्थान कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ख) आठ कर्मों का बंध उदय सत्ता किस-किस गुणस्थान तक?

(ग) चौदह गुणस्थानों में आश्रव व संवर के बोल कितने-कितने पाते हैं?

(घ) श्रावक के बारह व्रतों के द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव और गुण की चर्चा।

प्र. 3 कोई तीन प्रश्न करें– 6

(क) द्रव्य पुण्य भाव पुण्य कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ख) जीव पदार्थ आत्मा कितनी? यावत मोक्ष पदार्थ आत्मा कितनी?

(ग) आठ आत्मा कितने भाव? कितनी आत्मा?

(घ) चौदह गुणस्थान छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

इक्कीस द्वार–25

प्र. 4 कोई भी चार बोल पूरा लिखें– 20

(क) अचरम। (ख) असंज्ञी। (ग) अभाषक।

(घ) चक्षु दर्शनी। (ङ) अनाहारक। (च) औपशमिक सम्यक्त्वी।

प्र. 5 कोई पांच के संक्षिप्त उत्तर लिखें– कितने व कौन से पाते हैं? 5

(क) नील लेश्यी–लेश्या

(ख) संज्ञी–गुणस्थान

(ग) अभवी–योग

(घ) अपर्याप्त–योग

(ङ) असंयति–आत्मा

(च) अवधिदर्शनी–जीव का भेद

(छ) मिथ्यात्वी–गुणस्थान

जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खण्ड)–30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक-दो शब्द अथवा एक वाक्य में दें– 5

(क) पंचेन्द्रिय के जीव संज्ञी या असंज्ञी?

(ख) श्रावक के अंतिम पांच गुण लिखें।

(ग) जीव स्थान किसे कहते हैं?

(घ) दान शब्द को परिभाषित करें।

(ङ) मूल सूत्र के नाम बताऐं।

(च) अनुयोग कितने व कौन-कौन से हैं?

(छ) उपासक प्रतिमा द्वार–आठवीं प्रतिमा लिखें।

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) श्रावक चिन्तन द्वार लिखें।

(ख) विश्राम द्वार लिखें।

(ग) धर्म अधर्म द्वार–अनगार धर्म के पांच भेद हैं–से प्रारम्भ करते हुए अंत तक लिखें।

(घ) गाय भैंस.....आतम काम। कोई एक पद्य लिखें।

(ङ) संयति दान वाला दोहा लिखें।

(च) ग्यारहवीं व दूसरी प्रतिमा लिखें।

प्र. 8 किन्हीं दो प्रश्नों को हल करें– 10

(क) व्रताव्रत द्वार–प्रथम दो पद्य लिखें।

(ख) पुण्य-पाप द्वार।

(ग) सम्यक् दर्शन द्वार।

(घ) प्रमाण द्वार–सप्तभंगी से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान–20

प्र. 9 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक वाक्य में लिखें– 8

(प्रत्येक खंड से दो प्रश्न हल करिए)–

पच्चीस बोल–

(क) रसनेन्द्रिय के विषय (ख) अंतिम दो संवर। (ग) काल द्रव्य।

पच्चीस बोल की चर्चा–

(क) चार दण्डक किसमें? (ख) नौ गुणस्थान किसमें? (ग) जीव के ग्यारह भेद किसमें?

पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–

(क) लेश्या किस कर्म का उदय?

(ख) उपयोग जीव या अजीव?

(ग) किस आश्रव के जीव कम, किस आश्रव के जीव अधिक?

तत्त्व चर्चा–(क) कर्मों का कर्ता छह में कौन? नौ में कौन? (ख) अरिहंत भगवान संज्ञी या असंज्ञी?

(ग) अधर्म और अधर्मी एक या दो?

प्र. 10 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

कर्म प्रकृति–

(क) मोहनीय कर्म का लक्षण एवं कार्य लिखें **अथवा** वेदनीय कर्म की स्थिति लिखें।

जैन तत्त्व प्रवेश–

(ख) आत्म द्वार **अथवा** परमात्म द्वार।

पच्चीस बोल की चर्चा–

(ग) आठ दण्डक से तेरह दण्डक **अथवा** पन्द्रहवां बोल।

पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–

(घ) उन्नीसवां बोल **अथवा** संवर के बीस भेद।